

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྟེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3MS261	ImageGroup:	I3MS374
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	མདོ་སྐད་དན་ཏིག་དགོན་གྱི་ཚོ་ཏན་སྐར་བར་བཞུགས་པའི་རྩེ་འཇིགས་མེད་རིགས་པའི་སློ་བློས་གྱི་ ཡུག་དཔེ་གལ་ཆེན་རྣམས་ཕྱོགས་གཅིག་ཏུ་བཀོད་པ། mdo smad dan tig dgon gyi tshe tan sgar bar bzhugs pa'i rje 'jigs med rigs pa'i blo gros kyi phyag dpe gal chen rnam phyogs gcig tu bkod pa/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	112
Total Volumes:	208
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Scanned in partnership with Tibetan Buddhist Resource Center, Cambridge, MA, USA. Comments: DPL480 RFP 85

༡༡། ངེས་པེ་བུ་དེ་ནི་བདུན་ཅུ་རིམ་པེ་ནི་དཔག་བསམ་མཐུ་གུ་ཞེས་ཐུ་བ་བཞུགས་སོ།

ཨ་མ་མཚན་པུ་
ཏཱ་ལའ་བོ་དེ་མཆོག་གི་སྐུ་ལོ་

१७५७

五

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۱۱

। विसर्गस्य नदन्तु । अस्ति सप्तमः स्तोत्रम् । देवः सत्त्वगुणैश्च यो दत्तः । सप्तमः स्तोत्रम् । देवः सत्त्वगुणैश्च यो दत्तः ।

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible][illegible]

[illegible]



॥ सान्निध्यसौख्यसामुच्चैर्विबन्धेन ॥ देष्टव्यवद्वयवस्तुसामकम् ॥

॥ यत्रैतदाशेषाच्छेदकं देवता तस्यैव कर्मसु बंधे ॥

ਬੇਸਾਠੇ ਕੁਲੀ ਭੁਟ ਸਨਤੁ ਪੁਕੀ ਬੋਝਾਦ ਪਰੇ ਭੂਮ ਅਤੇ ਰੰਗਾਂ ਵਿਚ ਹੋਇਆ। ਮਹਿੰਦ੍ਰ ਪ੍ਰਸਾਦੀਕ। ਦੇਵ। ਅਪਣਾਉਣਾ.....

[illegible]

མ་ལོངས་པ་རྒྱུད་ཀྱི་རྟེན་གྲུབ་པའི་ཕྱི་ཁ་ལ་ཐོབ་པའི་ཡུལ་གྱི་ཐོག་ཆེན་ལ་ཐོབ་པའི་ཐོག་ཆེན་པོ་ལ་ཐོབ་པའི་ཐོག་ཆེན་པོ་

सुद

चक्षुषः पश्यन्तीं शृणोत्यपि दशे रसुवर्षे ।
 शेषां कवचं शृणोतीं शृणोत्यपि दशे रसुवर्षे ।

दे० ॥ देसाय्येन यद्वत्

ག་བས་པ་བུང་ཏེ། །སོགས་པ་ལྟར་དཔང་པོ་རྣམས་ཀྱི་ཡུལ་པོ་ལོ་སྟོན་པ་དེ་ལ་པང་ཐོག་ཆོད་ལྟོད་ལ་ཐོད་པ་ལ་བས་པོ་ལྟོད་པ་ལོ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

एषां च त्रयोविधं कर्म त्रिभिः कर्मभिः

कसद्वयसङ्गीतवाग्दयविष्टेन।

॥ विसर्जयेत्तु यः सदा ॥ देवि ॥ हे सर्वेश्वर दुष्टादयः पदेन तदिह बद्धवन्मृत्युं प्राप्नुवन्ति ॥

25

॥ पश्य पश्य दण्डं दण्डं सरेणोऽस्य ॥ दण्डं दण्डं सरेणोऽस्य ॥ दण्डं दण्डं सरेणोऽस्य ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

सोम।स।उक्तं।वद्वि।यहै।व।दे।स।ले।व।हु।

|མོགས་ཡུང་མདས་ཀྱི་ས་ཤི་ལོང་གི་རྩོད་དང་བཟུང་དག་སེའོ་དཔག་ནི་ཡེད།

ས་མཚོམལ་དཔ་ས་ཤུལ་བོེ།

पुस्तकालय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

। स्यात्सामान्यं यत्तु यद ।

संस्कृतस्य

[illegible]

[illegible]

卷一百一十五

[illegible]

五

